ध्येय पथ

जनवरी 2025

मासिक ई-पत्रिका

सम्पादक

श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला

श्री अभिनव त्रिपाठी

महाराणा प्रताप महाविद्यालय,

जंगल धूसड़, गोरखपुर

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम –

10 जनवरी को हिन्दी विभाग के तत्वावधान में 'विश्व हिन्दी दिवस' के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. राजेश मल्ल ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

जन जागरूकता रैली –

10 जनवरी को गृह विज्ञान विभाग के द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम नौका टोला में ठंड से बचाव हेतु जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

ग्राम भ्रमण –

10 जनवरी को अंग्रेजी विभाग के द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम में ग्राम भ्रमण के दौरान ठंड में होने वाली बीमारियों और उसके बचाव के तरीकों से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री शिवानी सिंह ने किया।

साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान –

11 जनवरी को कम्प्यूटर विभाग के तत्वावधान में 'उन्नत भारत' अभियान के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम बड़ी जमुनहिया में 'साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान' के आलोक में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया।

भारत–भारती पखवाड़ा (उद्घाटन कार्यक्रम) –

11 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'स्वामी विवेकानन्द जयन्ती' के पूर्व संध्या पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ. द्वारिका नाथ ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के माननीय कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

लक्ष्मीकान्त झा एवं पं. रामनरेश त्रिपाठी पुण्यतिथि कार्यक्रम –

16 जनवरी को प्रार्थना सभा में 'लक्ष्मीकान्त झा एवं पं. रामनरेश त्रिपाठी के पुण्यतिथि' के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एस–सी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंशिका सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार सहित लक्ष्मीकान्त झा एवं पं. रामनरेश त्रिपाठी जी के स्मृति को नमन करते हुए हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित की।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता –

16 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अर्न्गत प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में टीम 03 को प्रथम स्थान, टीम–15 को द्वितीय स्थान तथा टीम –16, टीम–07 को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम –

17 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत युवा सप्ताह के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजक कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता –

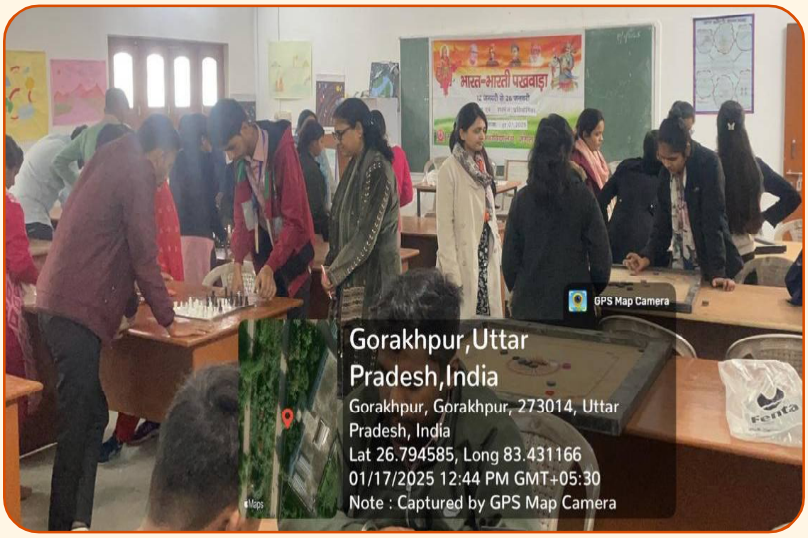

17 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कैरम प्रतियोगिता में बालिका वर्ग से बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री बिट्टू चौहान को प्रथम स्थान, बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शिवांनी शर्मा को द्वितीय स्थान तथा बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री खुशी मिश्रा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम मे बालक वर्ग से बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री सत्य प्रकाश को प्रथम स्थान, बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र श्री त्रिदेव को द्वितीय स्थान तथा एम.काम. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री अभिषेक मारवाड को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। शतरंज प्रतियोगिता में बालिका वर्ग से बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री पल्लवी मिश्रा को प्रथम स्थान, बी.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शुभी को द्वितीय स्थान तथा बी.काम. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री नीतू चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसीक्रम में बालक वर्ग से बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री अश्वनी कुमार पटेल को प्रथम स्थान, बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री श्याम सुन्दर स्वामी को द्वितीय स्थान तथा बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री शुभम चौबे को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की संयोजन डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने किया।

साप्ताहिक योगाभ्यास –

18 जनवरी को प्रार्थना सभा में साप्ताहिक योगाभ्यास के अन्तर्गत शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने ध्यान करने के चरण को बताते हुए ध्यान का अभ्यास कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि –

18 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि' के अवसर पर 'महाराणा प्रताप का जीवन : संघर्ष और प्रेरणा' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित उपाध्याय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के श्री नन्दन शर्मा ने किया।

लोकगीत प्रतियोगिता –

18 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. षष्टम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सावित्री प्रजापति को प्रथम स्थान, बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री प्रियंका को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री ज्योति चौधरी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता –

20 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत 'भारतीय समाज एवं संस्कृति पर महाकुम्भ का प्रभाव' विषयक शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर के छात्र श्री आदर्श कुमार ने प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री स्वीटी गुप्ता ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर के छात्र श्री आशीष कुमार पाण्डेय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शालू श्रीवास्तव तथा श्रीमती पुष्पा निषाद ने संयुक्त रूप से किया।

गायन प्रतियोगिता –

22 जनवरी को 'भारत–भारती' पखवारा के अन्तर्गत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.सी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र श्री नितेश तिवारी को प्रथम स्थान, एम.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुश्री सिद्धी तिवारी को द्वितीय स्थान तथा बी.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर ने छात्र श्री अभिषेक कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता एवं सुश्री अर्चिता राय ने संयुक्त रूप से किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम–

22 जनवरी को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में 'सशक्त युवा विकसित भारत' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिनव त्रिपाठी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन रोवर्स/रेंजर्स प्रभारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती –

23 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर 'नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और उनकी प्रेरक शक्ति : एक मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज की प्राचार्य प्रो. मन्जू मिश्रा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

मतदाता जागरूकता शपथ ग्रहण कार्यक्रम –

25 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने उपस्थित स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं को शपथ ग्रहण कराते हुए उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

रंगोली प्रतियोगिता –

25 जनवरी को 'भारत–भारती पखवाड़ा' के अन्तर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में समूह–2 ने प्रथम स्थान, समूह–4 एवं समूह–1 द्वितीय स्थान तथा समूह–3 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती दिव्या दुबे ने किया।

76वां गणतंत्र दिवस समारोह–

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर 76वां गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ ध्वाजारोहण के साथ किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री शीलू मिश्रा और सुश्री अंशिका सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्रावास योगिराज बाबा गम्भीरनाथ, सेवाश्रम पर श्री ध्वजारोहण किया गया। छात्रावास के अधीक्षक श्री विनय कुमार सिंह ने ध्वजारोहण किया।

ग्राम दर्शन –

26 जनवरी को हिन्दी विभाग के द्वारा ग्राम दर्शन के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम बड़ी रेतवहिया में 'ठंड जनित बीमारियां : जानकारी एवं बचाव' के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम –

31 जनवरी को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'निर्धनता के सामाजिक–आर्थिक आयाम' विषयक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप कुमार कार्यक्रम का संयोजन व संचालन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

समाचार पत्रों में ....

हिन्दुस्तान गोरखपुर, शनिवार, 11 जनवरी 2025 05

संस्कृति, सभ्यता व राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है हिंदी

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में मनाया गया विश्व हिंदी दिवस

गोरखपुर, निज संवाददाता। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के आचार्य प्रो. राजेश मल्ल उपस्थित रहे।

प्रो. मल्ल ने बताया कि विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य हिंदी का वैश्विक प्रचार-प्रसार और इसे अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना है। इस दिवस को प्रतिवर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि विदेशों में स्थित भारतीय दूतावास इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं। साथ ही, भारत में सरकारी कार्यालयों में भी हिंदी भाषा पर आधारित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

हिंदी के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए प्रो. मल्ल ने कहा कि यह भाषा हमारी संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह व आभार ज्ञापन डॉ. सुधा शुक्ला ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गोरखपुर। शनिवार • 11 जनवरी • 2025 राष्ट्रीय सहारा

हिंदी राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में मनाया गया विश्व हिंदी दिवस

गोरखपुर(एसएनबी)। हिंदी न केवल हमारी मातृभाषा है बल्कि हमारे संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक भी है। यह दुनिया की सबसे प्राचीन और समृद्ध भाषाओं में से एक है, जिसने भारतवर्ष के करोड़ों लोगों को आपस में जोड़ा हुआ है।

उक्त वक्तव्य प्रो. राजेश मल्ल आचार्य हिंदी विभाग, दीदउ गोविवि ने दिया। वे महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में हिंदी का विकास करने और उसे प्रचारित- प्रसारित करने के उद्देश्य से पहला विश्व हिंदी सम्मेलन 10 जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित हुआ, तब से इस दिन को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य विश्व स्तर पर हिंदी भाषा का प्रचार- प्रसार करना, जनमानस में जागरूकता उत्पन्न करना तथा हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पहचान दिलाना है। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने तथा आभार ज्ञापन डा. सुधा शुक्ला सहायक आचार्य, हिंदी विभाग ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

10 दैनिक जागरण गोरखपुर, 12 जनवरी, 2025 www.jagran.com

विवेकानंद के ओजपूर्ण विचार युवाओं की प्रेरणा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: प्रतिवर्ष 12 जनवरी को युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई जाती है। योग, राजयोग और ज्ञानयोग जैसे ग्रंथों की रचना करके स्वामी विवेकानंद ने युवा जगत को नई राह दिखाई, जिसका भारतीय जनमानस पर गहरा असर हुआ और आगे भी युगों-युगों तक इसका प्रभाव रहेगा।

स्वामी विवेकानंद के ओजपूर्ण विचार हमेशा से युवाओं को प्रेरित करते रहे हैं। यह बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में स्वामी विवेकानंद जयंती की पूर्व संध्या पर 12 से 26 जनवरी तक चलने वाले भारत-भारती पखवाड़े के उद्घाटन कार्यक्रम में गोरखपुर विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. द्वारिका नाथ ने बतौर मुख्य अतिथि कहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने वेदांत और भारतीय दर्शन का प्रचार-प्रसार उस समय किया, जब पश्चिमी देशों की नजर में भारत एक असभ्य देश था।

उन्होंने भारत के अध्यात्मवाद से दुनिया को परिचित कराया और भारत का मस्तक विदेशों में ऊंचा किया। इसके पूर्व कार्यक्रम के संयोजक डा. वेंकटरमण पांडेय ने प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष हरिकेश यादव ने किया। अंत में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित संस्थापक सप्ताह समारोह-2024 के शोभायात्रा एवं श्रेष्ठ पथ संचलन में उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रमाणपत्र वितरण विद्यार्थियों के बीच किया गया।

स्वामी ने भारत की आध्यात्मिक महक को संपूर्ण विश्व में फैलाया

गोरखपुर: एमपी इंटर कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी संजय कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत की आध्यात्मिक महक को संपूर्ण विश्व में फैलाया। भारतीय धर्म, दर्शन और अध्यात्म को वैश्विक पटल पर स्थापित किया। ऐसे समय में जब विदेश में भारत के प्रति बहुत ही गलत धारणा बनी हुई थी, लोग भारत को सपेरों और जादू टोना का देश कहा करते थे, तब भारतीय सभ्यता और संस्कृति की महानता के विषय में स्वामी विवेकानंद ने विश्व को परिचित कराया। उनका अपने गुरु के प्रति अनन्य भक्ति और अटूट निष्ठा अनुकरणीय है। वह शनिवार को विद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद बड़े ही कुशाग्र बुद्धि के थे। बचपन से ही उनको भारतीय धर्म और दर्शन से संबंधित विषयों में विशेष रुचि थी। वे युवाओं के प्रेरणा-स्रोत हैं। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक-कर्मचारी व छात्र मौजूद रहे। -विज्ञप्ति

अमर उजाला
गोरखपुर | रविवार, 12 जनवरी 2025 13

विवेकानंद की जयंती पर भारत भारती पखवाड़ा का होगा उद्घाटन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर 'भारत-भारती पखवाड़ा' कार्यक्रम 12 से 26 जनवरी तक चलेगा। इसके उद्घाटन समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रमुख वक्ता प्रो. द्वारिका नाथ ने कहा स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं कृतित्व का वैश्विक महत्व विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारतीयों को अपनी अकल्पनीय शक्ति का एहसास कराया।

अध्यक्षता मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने की। उन्होंने स्वामी विवेकानंद द्वारा शिकागो धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भाषण दुनिया को भारत के वैभव, संस्कृति और अध्यात्म का परिचय कराने वाला था। संवाद

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
गोरखपुर
रविवार
19 जनवरी 2025

महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलना सच्ची श्रद्धांजलि

एमपीपीजी कॉलेज

एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूषण में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों व शिक्षकों को संबोधित करते अतिथि।

गोरखपुर, निज संवाददाता। महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलकर समाज व देश को नई दिशा देने के लिए सभी को एक साथ आना होगा। यही उनके प्रति हम सब की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनके संघर्षों को यादकर हम अपने समाज को एक जुट करने के साथ युवाओं को उनके लक्ष्य तक पहुंचा सकते हैं।

ये बातें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ अमित उपाध्याय ने कहीं। वह महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर 'महाराणा प्रताप का जीवनः संघर्ष और प्रेरणा' विषय पर आयोजित स्मृति व्याख्यान को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे।

डॉ. अमित ने कहा कि महाराणा के पराक्रम का लोहा खुद अकबर ने भी माना था। भारत के शौर्य के प्रतीक महाराणा प्रताप भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए कभी भी अकबर के सामने नहीं झुके तथा न ही कभी उनकी अधीनता स्वीकार की। अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष नंदन शर्मा ने की। संयोजन डॉ वेंकट रमन पाण्डेय तथा संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के डॉ सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व शिक्षक मौजूद रहे।

लोकगीत में सावित्री प्रथम और प्रियंका रहीं द्वितीय

गोरखपुर। एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में भारत-भारती पखवाड़ा के तहत शनिवार को हिन्दी विभाग द्वारा लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बीए की सावित्री प्रजापति प्रथम, प्रियंका द्वितीय तथा ज्योति चौधरी तृतीय रहीं। दीप्ति गुप्ता, डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव व रितिका त्रिपाठी ने निर्णायक की भूमिका निभाई। संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह एवं आभार ज्ञापन डॉ. सुधा शुक्ला ने किया।

राष्ट्रीय सहारा
गोरखपुर । रविवार • 19 जनवरी • 2025

महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि

गोरखपुर(एसएनबी)। महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलकर समाज व देश को नई दिशा देने के लिए सभी को एक साथ आना होगा। यही उनके प्रति हम सब की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनके संघर्षों को यादकर हम अपने समाज को एक जुट करने के साथ युवाओं को उनके लक्ष्य तक पहुंचा सकते है।

उक्त बातें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित उपाध्याय ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर में महाराणा प्रताप पुण्यतिथि के पूर्व संध्या पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता कहा। 'महाराणा प्रताप का जीवनः संघर्ष और प्रेरणा' विषय पर आयोजित व्याख्यान में उन्होंने कहा कि ऐसे योद्धा के कारण ही आज भारत की पवित्रता टिकी हुई है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष नदन शर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप एक जाति विशेष के नहीं, बल्कि देश के लिए अपनी आन बान और शान की लड़ाई जीवनभर लड़ते रहे। उन्होंने हल्दीघाटी के युद्ध में मुगलों के दांत खट्टे कर दिए। इससे पूर्व मां सरस्वती एवं हिंदुवा सूर्य महाराणा प्रताप, ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ, ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वंकट रमन पाण्डेय तथा संचालन डॉ.सुबोध कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम में सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

amarujala.com
गोरखपुर | रविवार, 19 जनवरी 2025
13

महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि

गोरखपुर। महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलकर समाज व देश को नई दिशा देने के लिए सभी को एक साथ आना होगा। यही उनके प्रति हम सब की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनके संघर्षों को यादकर समाज को एकजुट करने के साथ युवाओं को उनके लक्ष्य तक पहुंचा सकते हैं। यह बातें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित उपाध्याय ने कहीं। वे महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर 'महाराणा प्रताप का जीवन : संघर्ष और प्रेरणा' विषय पर आयोजित स्मृति व्याख्यान को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। संवाद

गोरखपुर, शुक्रवार, २४ जनवरी, २०२५ ४ आज

सेवा, साहस और नेतृत्व की अद्भुत मिसाल थे नेताजी

◆नेताजी के प्रेरक प्रसंग सदैव रहेंगे प्रासंगिक-डा.विजय कुमार चौधरी

◆महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में मनाई गई नेताजी की जयंती

जंगलधूसड़ (गोरखपुर)। देश भक्तों एवं महापुरुषों के जीवन मूल्यों को आत्मसात कर युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। इस दिशा में महापुरुषों की जीवनी व उनके संस्मरण को विद्यार्थियों को अवगत करवाने का कार्यक्रम काफी मददगार हो सकता है। उक्त बातें बतौर मुख्य अतिथि, बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज की प्राचार्या प्रो.मंजू मिश्रा ने भारत-भारती पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित कार्यक्रम में कही। प्रो० मिश्रा ने आगे कहा कि भारत के महान क्रांतिकारी, विभिन्न आंदोलनों के नायक नेताजी की उपाधि प्राप्त करने वाले सुभाष चंद्र बोस के सम्मान और उनके पराक्रम को सराहने के लिए प्रतिवर्ष 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस जयंती के रूप में मनाया जाता है। नेताजी का जन्म 23 जनवरी 1897 में ओडिशा के कटक में बंगाली परिवार में हुआ था। सुभाष चंद्र बोस को लोग प्यार से नेताजी भी कहते थे। भारत को स्वतंत्र कराने में इनके योगदान को कभी भुला नहीं जा सकता। अंग्रेजों से भारत को मुक्त कराने के लिए इन्होंने अलग तरीके से लड़ाई लड़ी। आजाद हिंद फौज का गठन इसी लड़ाई का एक हथियार था। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा, जैसे नारों से उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया। पूर्व इस दिन को सुभाष चंद्र जयंती के नाम से मनाया जाता था लेकिन वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिन को नेताजी के योगदान को ध्यान में रखते हुए पराक्रम दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। इसके बाद से प्रतिवर्ष नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भूगोल विभाग के अध्यक्ष डा.विजय कुमार चौधरी ने कहा कि देश की आजादी में अहम योगदान देने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर हमें देश सेवा के प्रति संकल्पित होना चाहिए। वे महान स्वतंत्रता सेनानी थे एवं उन्होंने एक

05104 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 20.30 बजे चलाई जायेगी। 24 जनवरी को 0510 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी झूसी से 7.45 बजे चलाई जायेगी। 24 जनवरी को 03409 मालदा टाउन-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी, प्रयागराज रामबाग 17.15 बजे पहुँचेगी। 24 जनवरी को 03410 प्रयागराज रामबाग-मालदा टाउन मेला विशेष गाड़ी, प्रयागराज रामबाग से 19.15 बजे चलाई जायेगी। 24 जनवरी को 051 प्रयागराज रामबाग-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी, प्रयागराज रामबाग से 20.30 बजे चलाई जायेगी। जनवरी को 05193 भटनी-प्रयागराज

मानव श्रृंखला बन

अमर उजाला

amarujala.com

गोरखपुर | मंगलवार, 28 जनवरी 2025 10

बीएससी पंचम सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा आज

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में बीए/बीएससी पंचम सेमेस्टर भूगोल विषय के विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा 28 जनवरी को सुबह 10 बजे से भूगोल प्रयोगशाला में होगी। संवाद

हि हिन्दुस्तान

गोरखपुर, मंगलवार, 28 जनवरी 2025 11

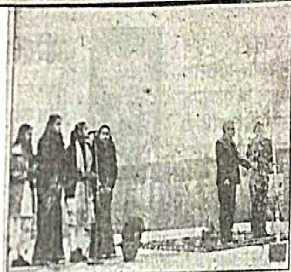

रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय में झंडारोहण करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव। • हिन्दुस्तान

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में धूमधाम से मना गणतंत्र दिवस

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत भाषण, कविता पाठ, समूह गीत, एकल गीत, एकल नृत्य एवं समूह नृत्य आदि विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई।

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक–आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज में पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान–विज्ञान एवं कौशल से ओत–प्रोत शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र के एक अग्रणी संस्था है। महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन “ध्येय पथ” नाम से मासिक ई–पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में जनवरी माह की मासिक ई–पत्रिका ध्येय–पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय,

जंगल धूसड़, गोरखपुर